गांडीव वाराणसी, पृ० सं० 5
दिनांक : 06-8-19

डीरेका में दो दिवसीय ग्राहक सम्मेलन सम्पन्न

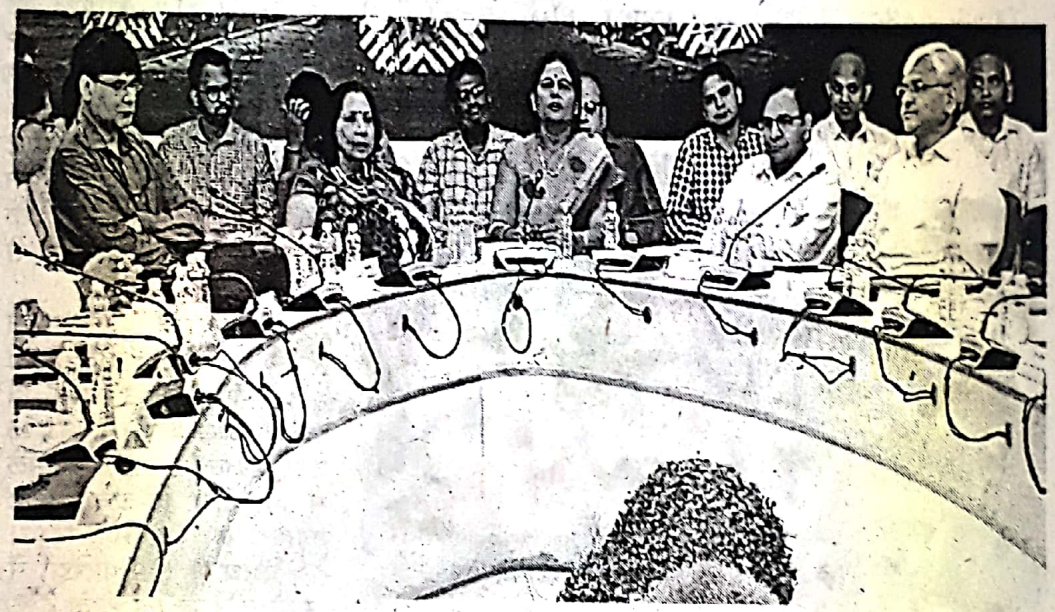

वाराणसी, 5 अगस्त। डीजल रेल इंजन कारखाना कीर्ति कक्ष में शुक्रवार व शनिवार को क्षेत्रीय रेलों के लिए विद्युत रेल इंजनों के मांग, रखरखाव, विश्वसनीयता के मुद्दे पर चर्चा हेतु ग्राहक सम्मेलन-2019 का आयोजन किया गया। बैठक का समापन शनिवार को महाप्रबंधक श्रीमती रश्मि गोयल की उपस्थिति में रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य/एल. श्रीमती मंजू गुप्ता द्वारा अपने विचार व्यक्त करने के साथ हुआ।

बैठक के समापन के अवसर पर श्रीमती गुप्ता ने डीरेका निर्मित विद्युत रेल इंजनों की विश्वसनीयता एवं उपलब्धता पर संतोष व्यक्त करते हुए इन रेल इंजनों के आने वाली समस्याओं की ओर इंगित किया एवं इसमें सुधार करने तथा इनकी गुणवत्ता पर विशेष रूप से प्रकाश डाल, साथ ही उन्होंने डीरेका द्वारा विद्युत रेल इंजनों के विकास एवं उत्पादन में वृद्धि हेतु किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। बैठक में रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों एवं आरडीएसओ से पधारे प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए महाप्रबंधक श्रीमती रश्मि गोयल ने कहा कि डीरेका में विद्युत रेल इंजनों के उत्पादन में भी निरन्तर वृद्धि हो रही है। उन्होंने क्षेत्रीय रेलों से इन रेल इंजनों के उपयुक्त अनुरक्षण पर बल देते हुए इनके कार्य निष्पादन के सम्बन्ध में डीरेका को नियमित रूप से सूचित करने का अनुरोध किया, ताकि उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर इन रेल इंजनों के उच्च स्तरीय कार्य निष्पादन हेतु गुणवत्ता सुनिश्चित किया जा सके, साथ ही उन्होंने आश्वासन भी दिया कि इस सम्बन्ध में डीरेका क्षेत्रीय रेलों का हर सम्भव सहयोग करेगा। इस अवसर पर बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर ने क्षेत्रीय रेलों को डीरेका द्वारा विद्युत रेल इंजनों के उत्पादन से सम्बन्धित किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला तथा उनकी विश्वसनीयता व गुणवत्ता में निरन्तर सुधार का आश्वासन दिया।

बैठक में रेलवे बोर्ड के प्रमुख अधिकारियों के साथ ही साथ डीरेका के विभागाध्यक्षों तथा क्षेत्रीय रेलों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्युत रेल इंजनों के परिचालन से सम्बन्धित सुधार हेतु बहुमूल्य सुझाव दिये। इस बैठक में डीरेका सहित रेलवे बोर्ड, आरडीएसओ व क्षेत्रीय रेलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके पूर्व बैठक का शुभारम्भ शुक्रवार को प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ, जिसमें क्षेत्रीय रेलों द्वारा विद्युत रेल इंजनों की खामियां एवं सुधार से सम्बन्धित विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा की गयी।

Scanned by CamScanner